

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

संयुक्त निदेशक,
उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी,
भवाली, नैनीताल ।

न्याय अनुभाग - 2

देहरादून : दिनांक : 6 जून, 2008

विषय:- उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, नैनीताल हेतु वित्तीय वर्ष 2008-2009 में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से अतिरिक्त धनराशि के व्यावर्तन की स्वीकृति ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या /उजाला/2008-2009, दिनांक 2.6.2008 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, नैनीताल के उपयोगार्थ वित्तीय वर्ष 2008-09 में सम्प्रति बजट में कोई धनराशि अवशेष न होने के कारण तथा वर्तमान में उक्त कार्य की आवश्यकता के दृष्टिगत संलग्न बी०एम०-15 के स्तम्भ-1 में अंकित मद में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचत से बी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में अंकित मद संख्या-08-कार्यालय व्यय में रु० 20,00,000/- (बीस लाख रुपये मात्र), मद संख्या-16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान में रु० 50,000/- (पचास हजार रुपये मात्र) एवं मद संख्या-46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय में रु० 10,00,000/- (दस लाख रुपये मात्र) अर्थात् कुल रु० 30,50,000/- (तीस लाख पचास हजार रुपये मात्र) की धनराशि को व्यावर्तित कर व्यय की स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन महामहिम राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- (1) कृपया पूर्व माह के व्यय की सूचना प्रपत्र बी०एम०-13 में अंकित कर प्रतिमाह विलम्बतम 10 तारीख तक शासन में उपलब्ध करायी जाय ।
- (2) उपर्युक्त धनराशि बजट मैनुअल के तत्सम्बन्धी नियमों, क्रय प्रक्रिया के स्थापित नियमों, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टायोरमेंट) नियमावली, 2008 तथा शासन के अन्य आदेशों द्वारा विनियमित होगी ।
- (3) कृपया यह भी सुनिश्चित करें कि उपर्युक्त अनुदान से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।
- (4) कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरणों, स्टेशनरी के क्रय हेतु वित्तीय हस्त पुस्तिका, टेण्डर विषयक नियम, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों एवं तद्विषयक अन्य आदेशों का अनुपालन किया जाय ।
- (5) कम्प्यूटर, हार्डवेयर, साफ्टवेयर व नेटवर्किंग उपकरणों के क्रय हेतु सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-285/पी.एस./2006, दिनांक 23.10.2006 एवं अन्य आदेशों में उल्लिखित व्यवस्थानुसार ही कार्यवाही किया जाय ।
- (6) व्यय उसी मद में किया जायेगा जिनके लिए यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है ।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-2009 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-09- उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी-00" के अन्तर्गत संलग्नक बी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा ।

4- यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या-120एनपी/XXVII(5)/2008, दिनांक 5.6.2008 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

संलग्नक- बी०एम०-15 ।

(आर०डी०पालीवाल)

सचिव ।

संख्या : 3-दो(3)/XXXVI(1)/2008-1-दो(3)/08-तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 4- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन ।
- 5- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड बुक ।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार वर्मा)

अपर सचिव ।

पुनर्विनियोग 2008-2009 आयोजनोत्तर

नियंत्रक अधिकारी का नाम- निदेशक, उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, नैनीताल ।
प्रशासनिक विभाग का नाम- न्याय विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण

1	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरस्वत) धनराशि	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित की जानी है एवं स्थानान्तरित धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	(धनराशि हजार रूपयों में) अन्य विवरण
2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनोत्तर-105-सिविल और सेशन न्यायालय-05-न्यायिक भवनों का प्रतिकर	2	3	4	5	6	7	8
42-अन्य व्यय	-	1000	4000-क	2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनोत्तर-800-अन्य व्यय-00-09-उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी	2200	1950	क-मिलव्यवस्था के कारण उपलब्ध बचत ख-प्राविधान व होने एवं आवश्यकता होने के कारण ।
कुल धनराशि	5000	1000	4000	08-कार्यालय व्यय 16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान 46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर का क्रय	2000 50 1000	1950	
					3050	4051	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150-156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया गया है ।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त विभाग

संख्या-120एनपी-क/ XXVII(5)/2008

देहरादून : दिनांक : 5 जून, 2008

पुनर्विनियोग स्वीकृत

सेवा में,

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी),
उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड,
माजरा, देहरादून ।



(टी०एन०सिंह)

अपर सचिव, वित्त ।

संख्या- 3-दो(3)XXXVI(1)2008-1-दो(3)08-टी०सी०-तददिनांक ।

प्रतिसिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निदेशक, उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, नैनीताल ।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
3. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन/एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गाई बुक ।

आज्ञा से

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव ।